PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ३

आकाश में व्हेल

Author: Siddharth Chakravarty
Illustrator: Kaveri Gopalakrishnan
Translator: Dr Amardeep

दादू और मुज़्नाह को बादल देखना पसंद है।

“क्या तुम्हें पता है कि तुम्हारा नाम बादलों से जुड़ा है? मुज़्नाह का अर्थ है बादल, जो वर्षा को अपने साथ लेकर आता है!” दादू ने कहा।

जैसा कि हम जानते हैं, बादलों के कई आकार होते हैं – कभी फूलगोभी, कभी मूछें तो तभी बढ़ता हुआ चांद।

इसी तरह मुज़्नाह ने एक बादल ढूँढा जो कुत्ते के आकार का था और कहा कि “उसकी नाक बहुत बड़ी है।”

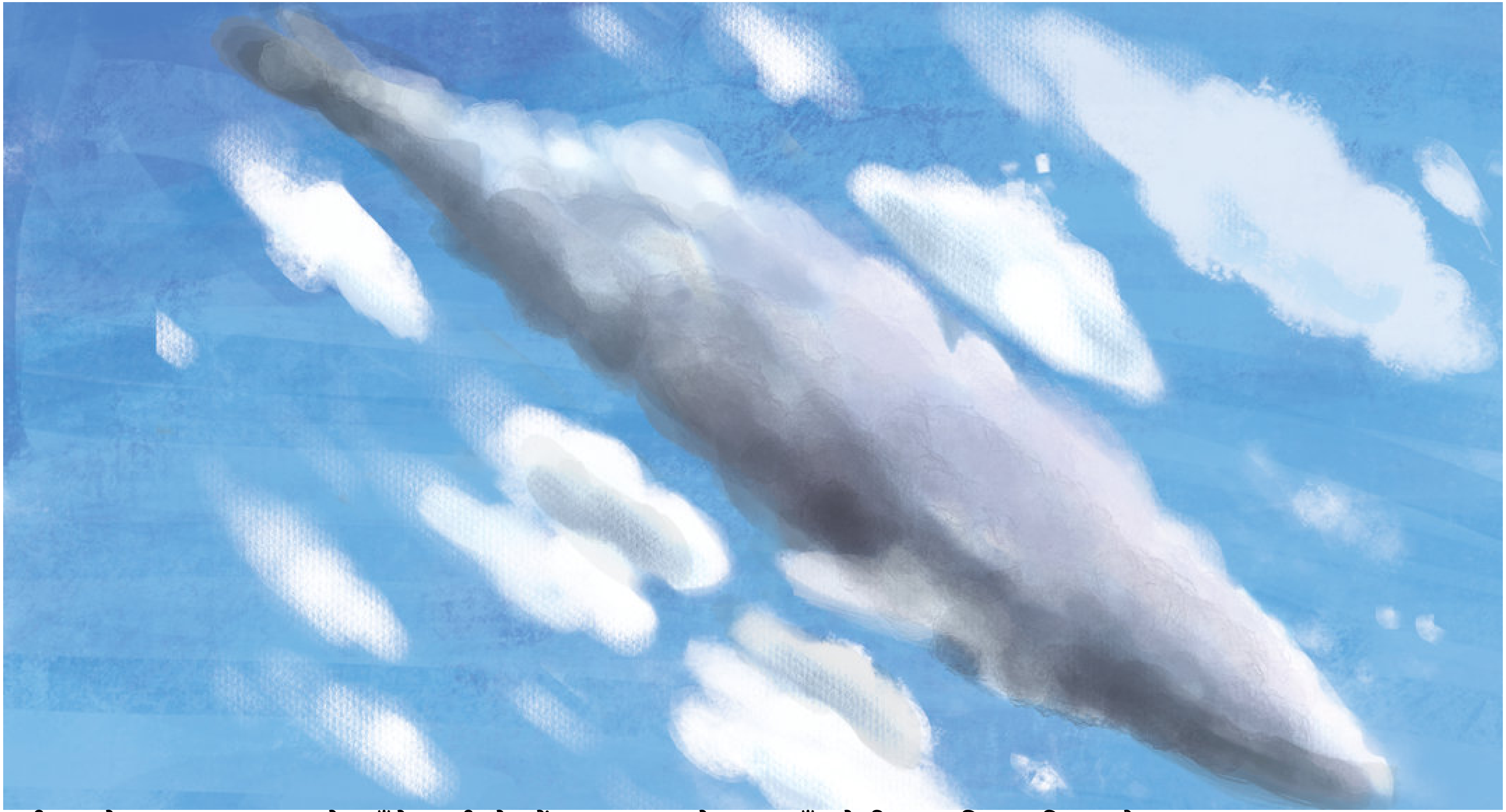

तभी दादू ने कहा, “उस बादल को वहाँ देख रही हो? मैं उस जानवर को जानता हूँ, जो ठीक इसकी तरह दिखता है।”

“सचमुच?” मुज़्नाह ने उत्साह से भरकर पूछा।

“हाँ, यह प्राणी व्हेल है और यह समुद्र में रहता है।”

“इसके बारे में और बताओ ना!” मुज़्नाह ने कहा।

“ठीक है, सुनो। वैसे तो व्हेल के कई प्रकार होते हैं, लेकिन इस बादल के आकार ने मुझे ब्लू व्हेल के बारे में सोचने को बाध्य किया। ब्लू व्हेल इस धरती पर रहने वाले सबसे बड़े प्राणी हैं, डायनासोर से भी बड़े और हाथी से भी।”

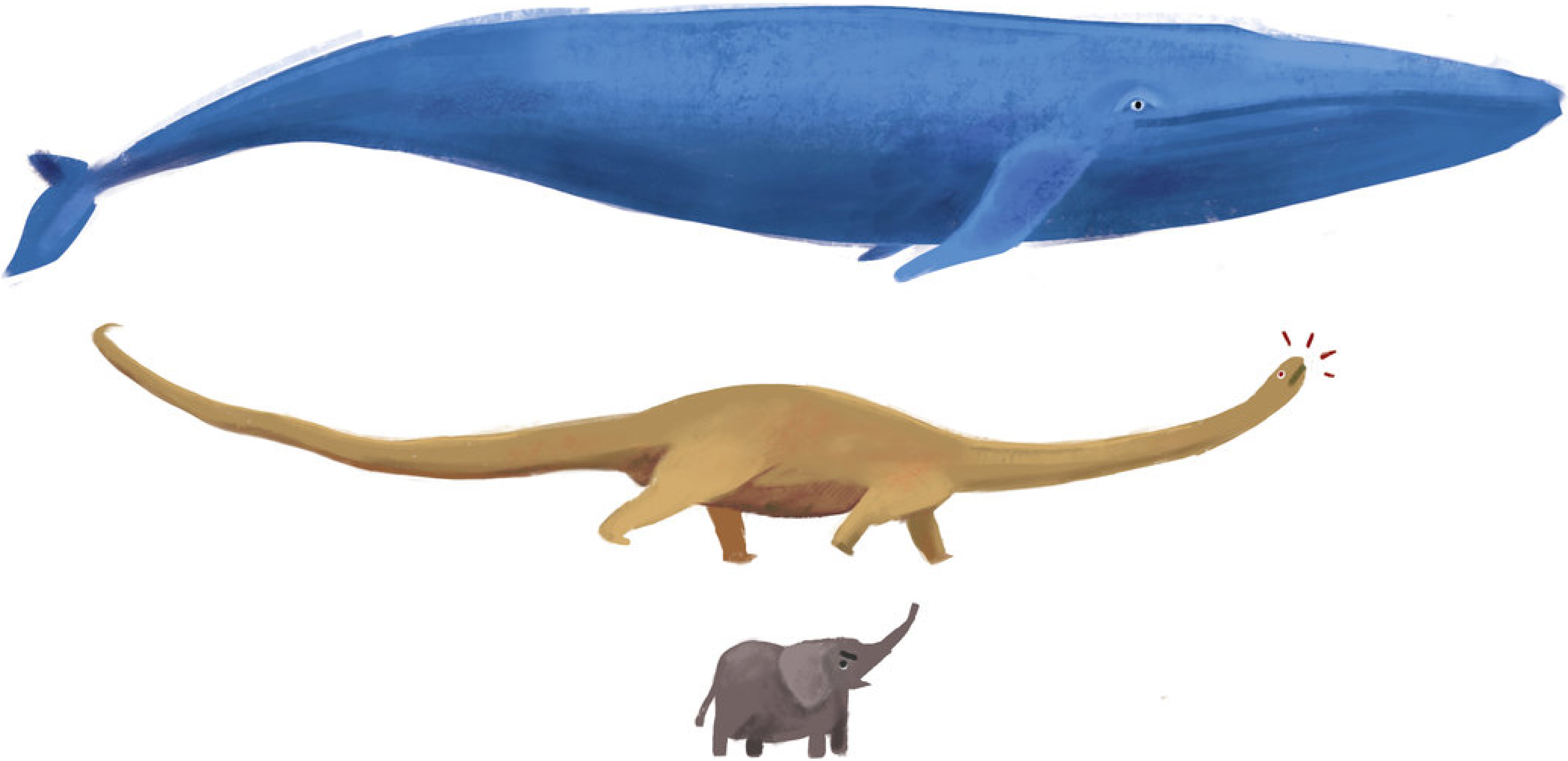

“सचमुच इतने बड़े!” मुज़्नाह ने कहा।

“ये इतने बड़े होते हैं कि तुम इनके दिल के अन्दर बैठ सकती हो,” दादू ने समझाते हुए कहा।

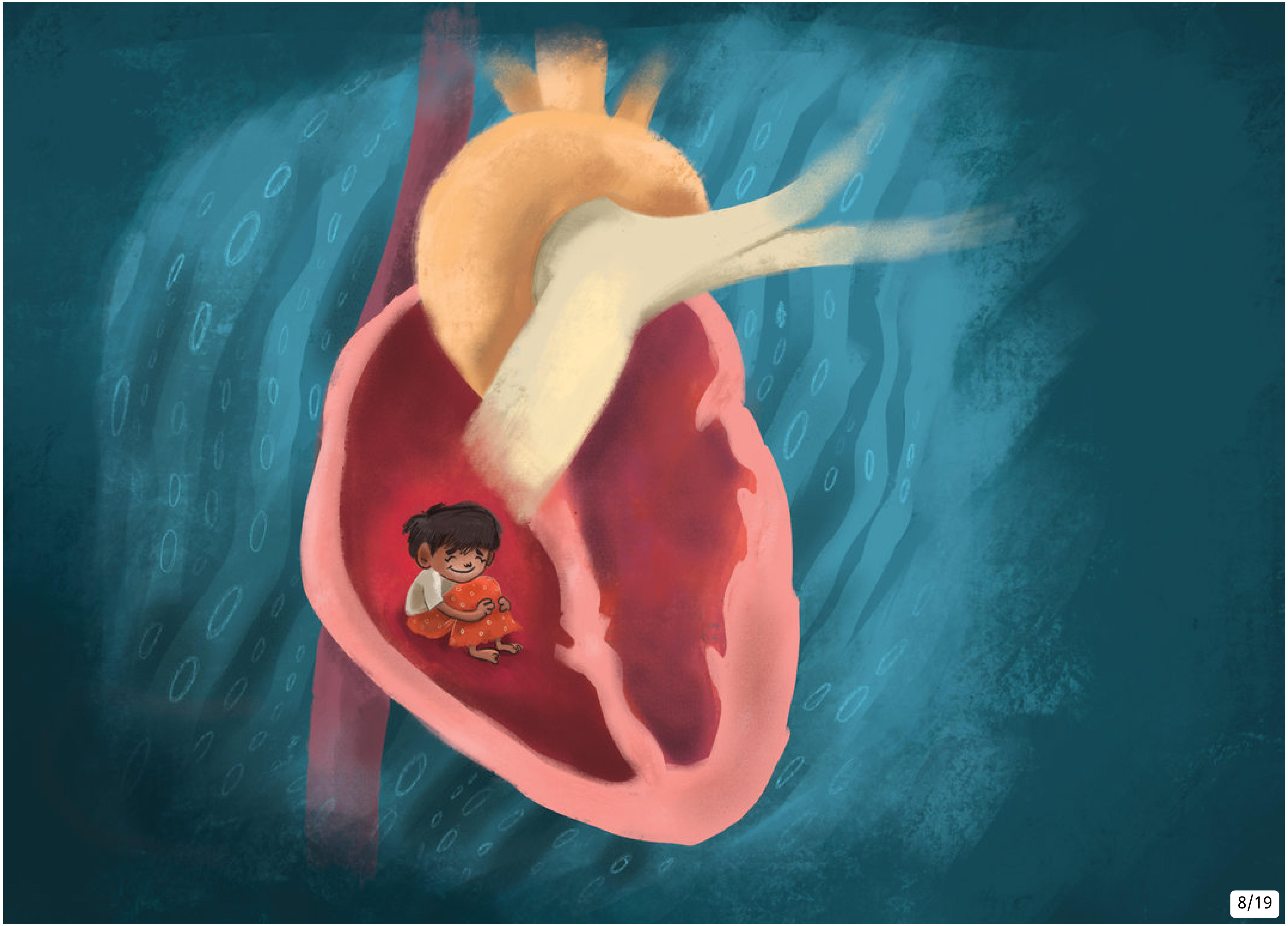

“वो देखो, तुम्हारे कुत्ते की नाक उससे दूर जा रही है,” दादू ने हंसते हुए कहा।

“हो सकता है, नाक को अब कुत्ता पसन्द न आ रहा हो,” मुज़्नाह ने मुस्कराते हुए कहा। “अरे, यह नाक तो व्हेल-बादल की ओर जा रही है। भला व्हेल उस नाक का क्या करेगी? मछलियों को पानी के भीतर साँस लेने के लिए गलफड़ की ज़रूरत होती है, नाक की नहीं।”

“हाँ, मछलियों के लिए यह बात सही है। लेकिन ब्लू व्हेल मछली नहीं है। यह हवा में साँस लेती है और इसलिए इसकी नाक होती है।”

“इसकी नाक ज़रूर दुनिया में सबसे बड़ी होगी! पानी के भीतर रहने पर यह कैसे साँस लेती है?”

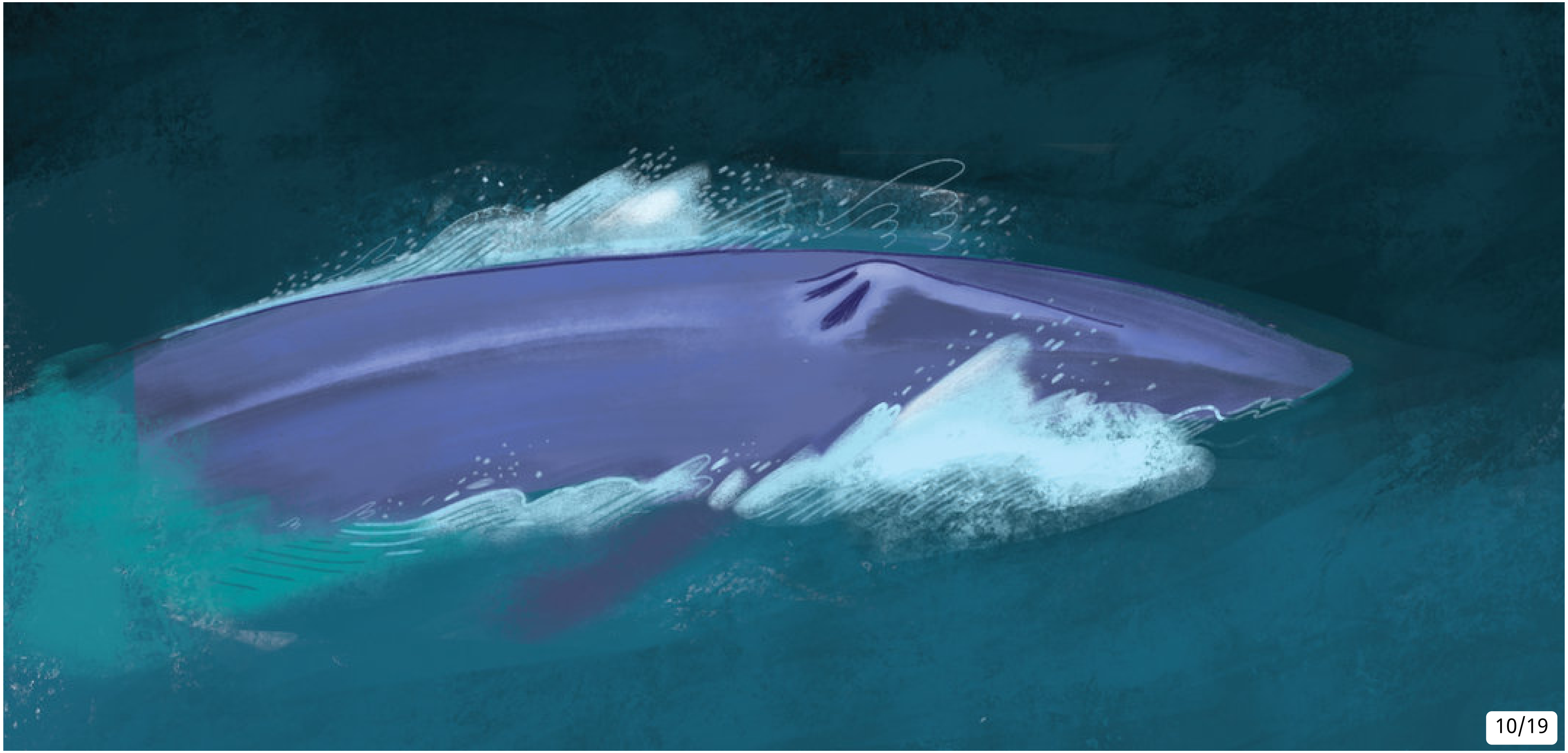

“व्हेल बेहद ख़ास होती हैं। वे सतह पर साँस लेती हैं,” दादू ने बताया।

“अच्छा... तो व्हेल पीठ के बल तैरती है?” मुज़नाह ने पूछा।

“तुम्हारी कल्पना भी खूब है, मुज़्नाह! दादू ने हँसते हुए कहा। व्हेल की नाक उसकी पीठ पर होती है!”

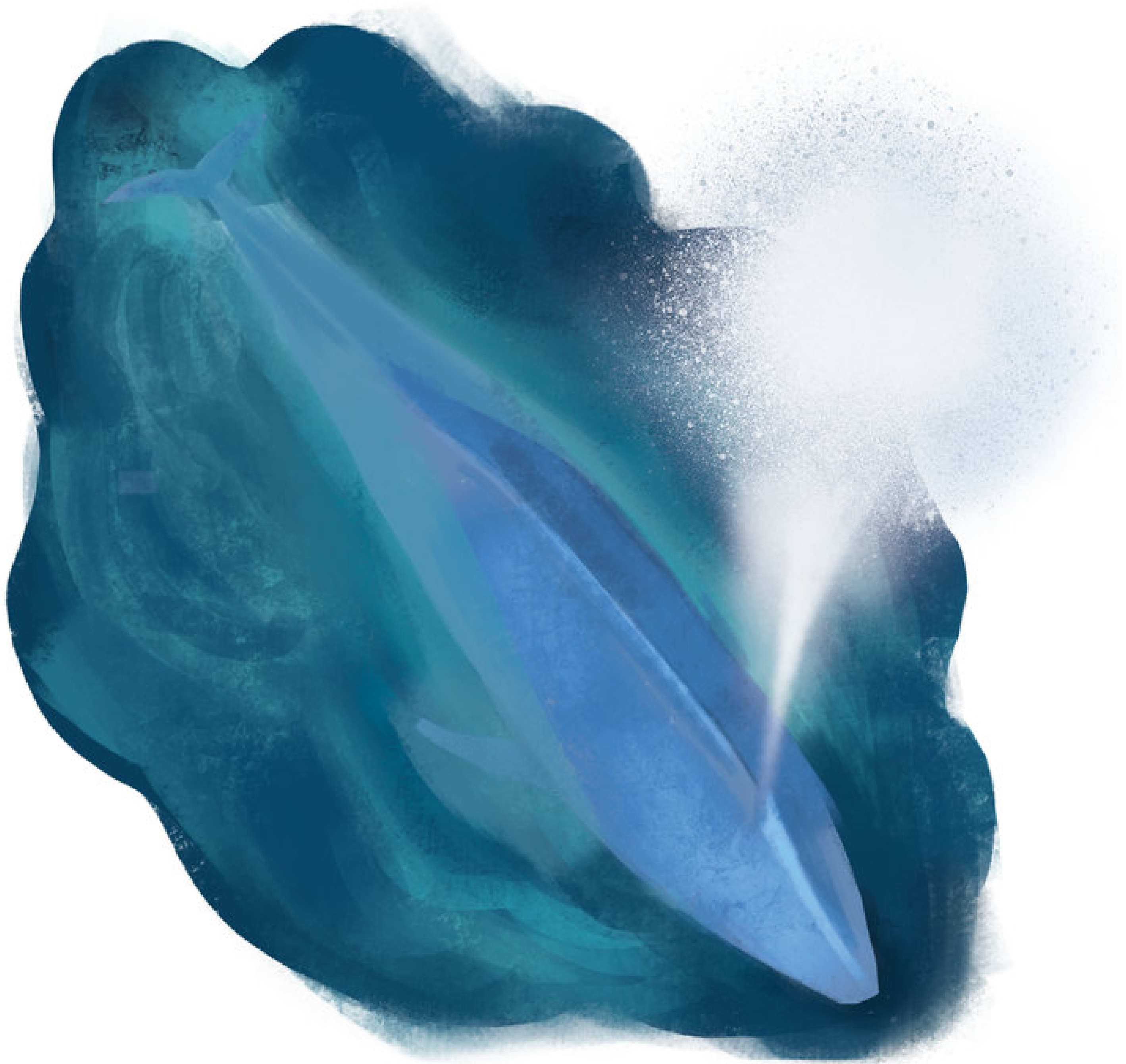

“व्हेल की साँस लेने की आवाज़ बहुत दूर से सुनी जा सकती है,” दादू वे कहा। “व्हेल साँस लेकर पानी के अंदर जाती है, फिर बाहर आती है और फिर अंदर जाती है। इस दौरान **पफ्फफफफफफफफफफफफ** की आवाज़ होती है। उसकी हर साँस के बाद उसकी नाक के ऊपर फुव्वारा-सा बन जाता है।”

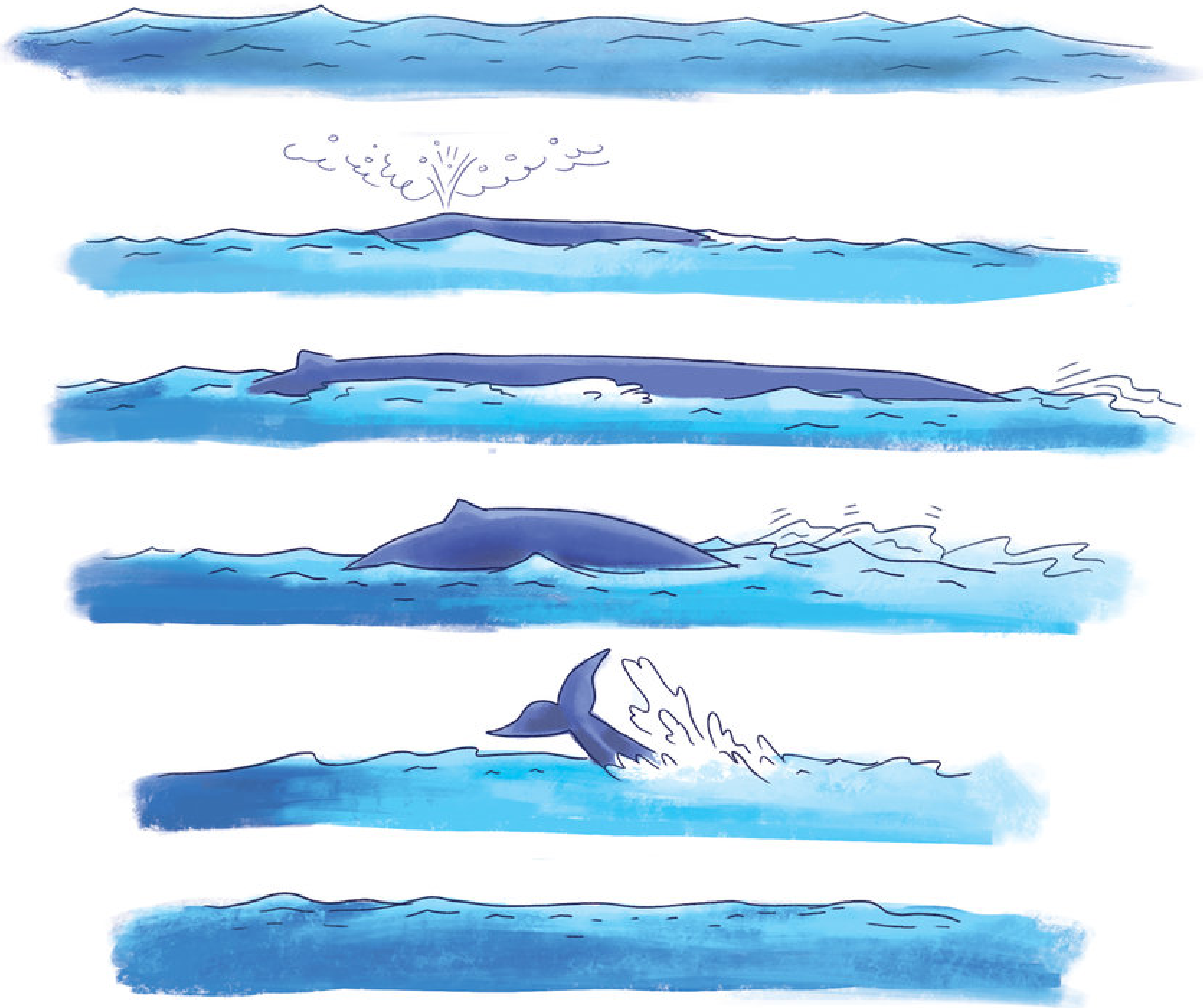

मुज़्नाह व्हेल-बादल को गौर से देखती है।

“पीठ पर नाक वाली यह व्हेल हमारी ओर आ रही है, दादू!” मुज़्नाह पीठ के बल लेट जाती है, उसकी बाँहें व्हेल के पंखों की तरह दिख रही हैं। अपनी बाँहों को हिलाती हुई वह चिल्लाती है, “मैं भी व्हेल हूं!

पफ्फफफफफफफफफफफफ, कैसे हो व्हेल?”

व्हेल को जानें!

व्हेल के संबंध में कुछ रोचक तथ्य इस प्रकार हैं:

व्हेल कई आकार और प्रकार की होती हैं और धरती के सभी समुद्रों में रहती हैं।

व्हेल के साँस लेने पर अलग-अलग आकार के फुव्वारे बनते हैं। व्हेल का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक उनके साँस लेने और उनसे बनने वाले फुव्वारों के आधार पर उनकी विभिन्नता के बारे में बता सकते हैं।

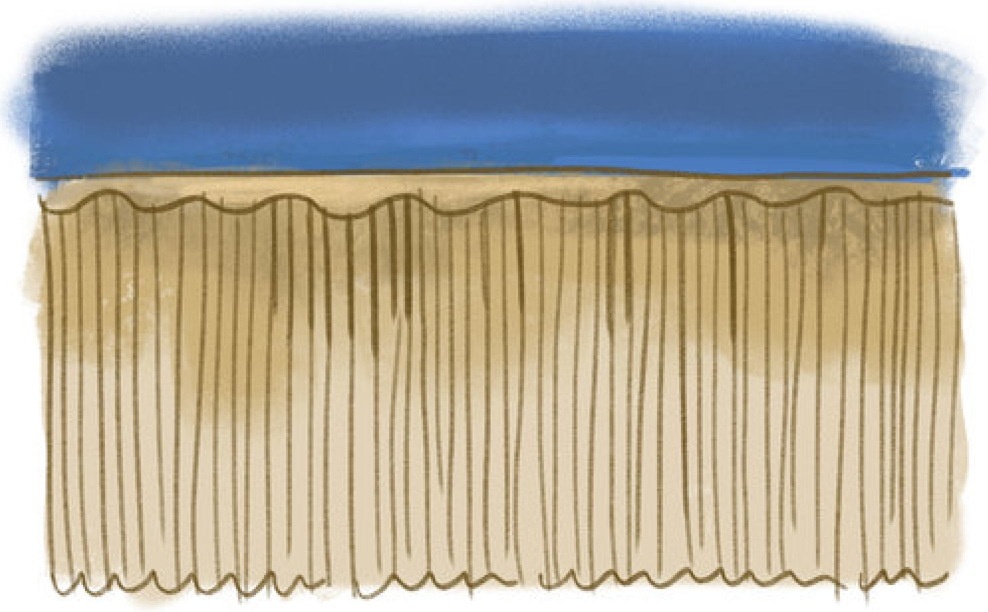

ब्लू व्हेल के दाँत नहीं होते! इसलिए वे सूक्ष्म प्राणियों को खाने के लिए मुँह में बड़ी मात्रा में पानी भर लेती हैं और अपने छलनी जैसे 'बलीन प्लेट' से उन्हें छानती हैं।

ब्लू व्हेल स्तनधारी प्राणी हैं। इसका अर्थ यह है कि उन्हें मनुष्य की तरह ही बच्चे होते हैं। उनके बच्चे छड़े या अंग्रेज़ी में काव्ज़ कहलाते हैं।

व्हेल के बच्चे वर्षों तक अपनी माँ के साथ रहते हैं ताकि पानी में सुखपूर्वक रहने के लिए ज़रूरी सारे गुण वे सीख सकें।

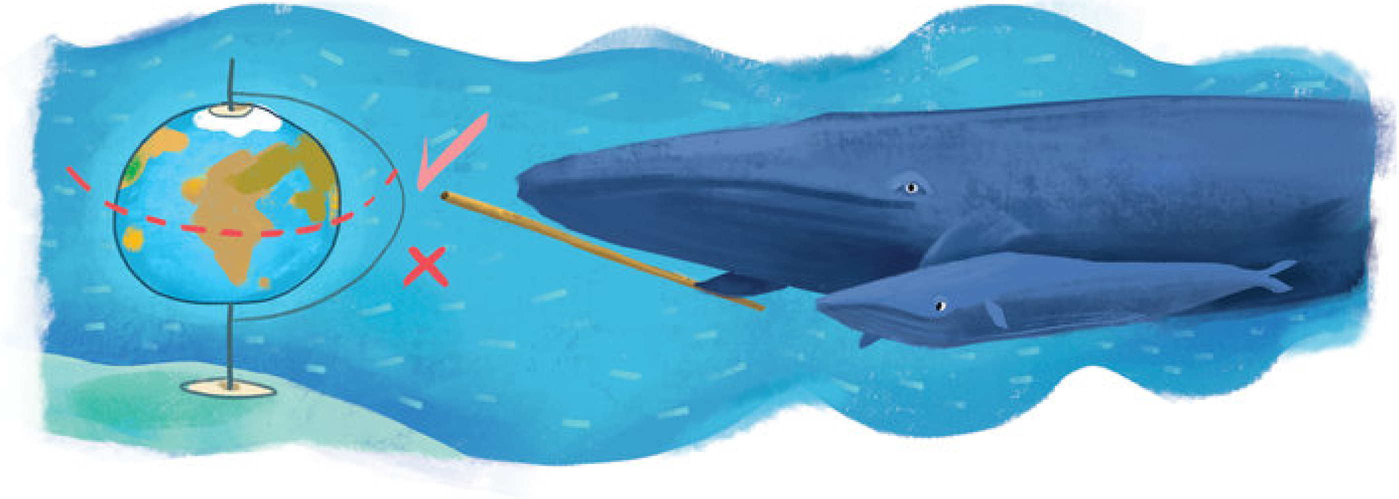

रेखाओं को याद रखती हैं व्हेल!

गर्मी के दौरान व्हेल और उनके बच्चे उन ध्रुवीय क्षेत्रों की ओर बढ़ते हैं जहाँ पर्याप्त भोजन हो। जाड़ों में जब पानी जमने लगता है तब वे कटिबंधों की ओर जाते हैं। व्हेल को लेकर एक बेहद ख़ास बात यह है कि दक्षिणी गोलार्ध में रहने वाली व्हेल कभी उत्तर को पार नहीं करती और उत्तर की ओर रहती है तो वह कभी दक्षिण को पार नहीं करती। जैसा कि हम जानते हैं कि समुद्र में कोई वास्तविक भूमध्य रेखा नहीं होती, पर केवल व्हेल ही बता सकती हैं कि क्यों वे इस रेखा को पार नहीं करतीं! अपने सम्पूर्ण तकनीकी ज्ञान के बावजूद हम अब भी नहीं जानते कि वो ऐसा कैसे करती हैं!

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: आकाश में व्हेल is translated by Dr Amardeep . The © for this translation lies with Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Whale in the Sky', by Siddharth Chakravarty . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle. Guest Editor for the original story: Bijal Vachharajani. wwwprathambooks.org

Images Attributions:

Cover page: Girl looking at the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Man and girl sitting , by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Green grass, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Girl pointing at the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Many clouds in the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Ocean, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Elephant and a blue whale, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl inside a heart, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Clouds in the blue sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Blue whale in the ocean, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

The development of this book has been supported by Oracle.

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Girl lying on the ground, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Man pointing at the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: A blue whale spraying out water, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Blue whale swimming, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Girl pointing at the clouds, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Girl standing, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Whale, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Baleen plates, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Whales with a stick, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

The development of this book has been supported by Oracle.

आकाश में व्हेल

(Hindi)

दादू और मुज्नाह के संग उनके बादल-भ्रमण अभियान पर चलें और नीले व्हेल के बारे में जानने के लिए गहरे समुद्र में डुबकी लगाएँ।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!